



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050

+918988886060

www.vajiraoinstitute.com

info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(07 January 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने की अमेरिकी पहल
- भारत में HMPV कोई नया वायरस नहीं: स्वास्थ्य मंत्रालय
- भारत में आय असमानता में कम हुई, लेकिन संपत्ति का अंतर बरकरार है
- MCQ

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने की

अमेरिकी पहल:

मामला क्या है?

- भारत-अमेरिका परमाणु समझौते को क्रियान्वित करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा



सलाहकार जेक सुलिवन ने 6 जनवरी को घोषणा की कि अमेरिका लंबे समय से चले आ रहे उन नियमों को हटाने के लिए कदम उठा रहा है, जो भारत की प्रमुख परमाणु संस्थाओं और अमेरिकी कंपनियों के बीच असैन्य परमाणु सहयोग को रोकते हैं।

- अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से एक पखवाड़े पहले की गई यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2008 में हुआ भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता डेढ़ दशक से अधिक समय बाद भी क्रियान्वित नहीं हो पाया है।

ADDRESS:



अमेरिकी एंटी लिस्ट से कुछ भारतीय संस्थाओं को हटाना:

- अमेरिकी प्रशासन की इस पहल में अमेरिकी एंटी लिस्ट से कुछ भारतीय सरकारी संस्थाओं: भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC); इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (IGCAR) और इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (IREL) को हटाना शामिल है।
- उल्लेखनीय है कि अमेरिकी एंटी लिस्ट विदेशी व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों की एक सूची है जो कुछ वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के लिए निर्यात प्रतिबंधों और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के अधीन हैं।
- अमेरिकी वाणिज्य विभाग के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो (BIS) द्वारा संकलित की गई सूची का उपयोग स्पष्ट रूप से उन वस्तुओं के अनधिकृत व्यापार को रोकने के लिए किया जाता है जिन्हें आतंकवाद, सामूहिक विनाश के हथियार (WMD) कार्यक्रमों या अन्य गतिविधियों में लगाया जा सकता है जिन्हें अमेरिका अपनी विदेश नीति या राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए मानता है।

भारत-अमेरिका परमाणु समझौते की आगे की राह:

- उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु सहयोग, जिसकी शुरुआत राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में 2005 के परमाणु समझौते से हुई थी, पिछले कुछ वर्षों में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

ADDRESS:



भारतीय पक्ष की तरफ से महत्वपूर्ण बाधा:

- भारतीय पक्ष की तरफ से परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010, जो परमाणु दुर्घटना से होने वाले नुकसान से पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक तंत्र बनाने और दायित्व आवंटित करने और मुआवजे के लिए प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट करने की मांग करता है, को विदेशी खिलाड़ियों द्वारा एक बाधा के रूप में उद्धृत किया गया है।
- यह मुख्य रूप से इस आधार पर है कि कानून ऑपरेटरों की देयता को उपकरण आपूर्तिकर्ताओं पर डालता है।

अमेरिकी पक्ष की तरफ से महत्वपूर्ण बाधा:

- अमेरिकी पक्ष की तरफ से महत्वपूर्ण बाधा '10CFR810' स्वीकृति व्यवस्था (अमेरिकी परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1954 का हिस्सा) है, जो अमेरिकी परमाणु विक्रेताओं को कुछ सख्त सुरक्षा उपायों के तहत भारत जैसे देशों को उपकरण निर्यात करने की क्षमता देता है, लेकिन उन्हें यहां कोई भी परमाणु उपकरण बनाने या कोई भी परमाणु डिजाइन कार्य करने की अनुमति नहीं देता है।

ADDRESS:



- यह स्वीकृति व्यवस्था भारत के दृष्टिकोण से एक स्पष्ट बाधा है, जो परमाणु ऊर्जा के विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में भाग लेना चाहता है और भारत में संयुक्त रूप से स्थापित की जाने वाली परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए परमाणु घटकों का सह-उत्पादन करना चाहता है।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) के दौर में इस पहल का रणनीतिक महत्व:

- दोनों देशों के मध्य असैन्य परमाणु सहयोग पर यह पहल तब हो रहा है, जब भारत खुद को परमाणु रिएक्टरों, खासकर छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों या SMR के निर्माण के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में पेश करने की उम्मीद कर रहा है, जिनकी क्षमता 30MWe से 300 MWe के बीच है, जो लागत-प्रभावी और बड़े पैमाने पर है।
- चीन भी बड़े रिएक्टरों के विपरीत, SMR क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के अवसर को जल्द करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है, जहां चीन अपेक्षाकृत देर से आया है।
- भारत की तरह, चीन भी SMR को वैश्विक दक्षिण में अपनी कूटनीतिक पहुंच के एक उपकरण के रूप में देख रहा है।

ADDRESS:



SMR के दौर में असैन्य परमाणु सहयोग का दोनों देशों के लिए महत्व:

- हालांकि भारत के असैन्य परमाणु कार्यक्रम में छोटे रिएक्टर प्रकारों - 220MWe PHWR और उससे ऊपर के निर्माण में विशेषज्ञता है, लेकिन भारत के लिए समस्या इसकी रिएक्टर तकनीक है।
- क्योंकि भारी जल और प्राकृतिक यूरेनियम पर आधारित, PHWR, हल्के जल रिएक्टरों (LWR) के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होते जा रहे हैं, जो अब दुनिया भर में सबसे प्रमुख रिएक्टर प्रकार हैं।
- उल्लेखनीय है कि रूस और फ्रांस के साथ-साथ अमेरिकी भी हल्के जल रिएक्टरों (LWR) तकनीक में अग्रणी हैं।
- ऐसे में उद्योग जगत के लोगों का कहना है कि दोनों देशों के मध्य नाभिकीय सहयोग को लेकर एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अमेरिका और भारत दोनों के लिए सकारात्मक हो सकता है, क्योंकि दोनों ही देश अपने दम पर चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं। क्योंकि भारत को तकनीकी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि अमेरिका को श्रम की अपेक्षाकृत उच्च लागत और उस देश में बढ़ते संरक्षणवादी मूड के कारण बाधा उत्पन्न होती हुई दिखाई दे रही है।

ADDRESS:



भारत में HMPV कोई नया वायरस नहीं: स्वास्थ्य मंत्रालय

परिचय:

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 6 जनवरी को ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कोई नया वायरस



- नहीं है और देश के नागरिकों से शांत रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2001 में पहली बार पहचाना गया यह वायरस कई वर्षों से वैश्विक स्तर पर मौजूद है।
- स्वास्थ्य मंत्री की यह प्रतिक्रिया देश में HMPV वायरस के कम से कम पांच मामलों की रिपोर्ट के कुछ घंटों बाद आई है। तमिलनाडु में HMPV के दो मामले सामने आए हैं। इसके अलावा, कर्नाटक और गुजरात के तीन शिशुओं में HMPV के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया।
 - उल्लेखनीय है कि HMPV कोई नया रोगजनक नहीं है और इसके मामले दुनिया भर में रिपोर्ट किए गए हैं। साथ ही भारत सरकार ने अपने स्वास्थ्य ढांचे और

ADDRESS:



निगरानी नेटवर्क की मजबूती पर जोर दिया है, जो उभरते खतरों का पता लगाने और उनका जवाब देने के लिए सतर्क रहते हैं।

HMPV वायरस क्या है?

- HMPV एक वायरल रोगजनक है जो सभी आयु वर्ग के लोगों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है। सबसे पहले 2001 में खोजा गया, यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार से संबंधित है और रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (RSV) से बहुत करीब से संबंधित है।
- HMPV खांसने या छींकने से निकलने वाली श्वसन बूंदों के साथ-साथ दूषित सतहों को छूने या संक्रमित व्यक्तियों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है।
- यह विश्व स्तर पर प्रचलित है और शीतोष्ण क्षेत्रों में सर्दियों और शुरुआती वसंत के दौरान चरम पर होता है, हालांकि यह कुछ क्षेत्रों में साल भर प्रसारित होता है।

HMPV के लक्षण:

- HMPV के लक्षण व्यक्ति की आयु, सामान्य स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के आधार पर अलग-अलग होते हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- हल्के मामलों में आमतौर पर बहती नाक, गले में खराश, खांसी और बुखार होता है, जो सामान्य सर्दी जैसा होता है। मध्यम लक्षणों में लगातार खांसी, घरघराहट और थकान शामिल हो सकती है।
- गंभीर मामलों में, विशेष रूप से शिशुओं, वृद्धों और पुरानी बीमारियों वाले लोगों में, HMPV ब्रॉकाइटिस, ब्रॉकियोलाइटिस या निमोनिया जैसी जटिलताओं को जन्म दे सकता है।
- गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (SARI) के लिए अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता भी हो सकती है। ये गंभीर प्रस्तुतियाँ विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए चिंताजनक हैं।

HMPV का संचरण और रोकथाम:

- HMPV RSV और इन्फ्लूएंजा जैसे अन्य श्वसन वायरस के समान तरीकों से फैलता है। संक्रमण मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्तियों से श्वसन बूंदों या दूषित सतहों के संपर्क के माध्यम से होता है।
- HMPV के प्रसार को रोकने के लिए, साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोने सहित हाथों की अच्छी स्वच्छता का अभ्यास करना आवश्यक है।

ADDRESS:



HMPV कितने समय तक रहता है?

- मानव HMPV के हल्के मामले आमतौर पर कुछ दिनों से लेकर एक सप्ताह तक रहते हैं। गंभीर मामलों में अधिक समय लगेगा। हालांकि, लंबे समय तक रहने वाले लक्षणों को दूर होने में अधिक समय लग सकता है।
- HMPV का निदान केवल लक्षणों के आधार पर HMPV का निदान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि यह RSV और इन्फ्लूएंजा जैसे अन्य श्वसन संक्रमणों की नकल करता है। RT-PCR, HMPV RNA का पता लगाने के लिए स्वर्ण मानक नैदानिक उपकरण है, जबकि एंटीजन डिटेक्शन परख से तेज़ परिणाम मिलते हैं।

HMPV का उपचार:

- वर्तमान में, HMPV के लिए कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा या टीका उपलब्ध नहीं है। उपचार सहायक है और संक्रमण की गंभीरता पर निर्भर करता है।
- हल्के मामलों के लिए, आराम, पर्याप्त जलयोजन और बुखार और नाक की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ओवर-द-काउंटर दवाएं पर्याप्त हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- गंभीर मामलों में, विशेष रूप से निमोनिया या ब्रॉंकियोलाइटिस से पीड़ित रोगियों में, ऑक्सीजन थेरेपी और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। गंभीर श्वसन संकट का अनुभव करने वाले रोगियों को यांत्रिक वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है।

HMPV और COVID-19 के बीच समानताओं और अंतर:

- SARS-CoV-2 वायरस के कारण होने वाले COVID-19 और HMPV, दोनों ही श्वसन संबंधी रोगजनक हैं, लेकिन वे सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव में काफी भिन्न हैं।
- **दोनों के मध्य समानताएं:**
 - समानताओं में उनके संचरण के तरीके शामिल हैं - दोनों श्वसन बूंदों, सीधे संपर्क और दूषित सतहों के माध्यम से फैलते हैं।
 - दोनों ही खांसी, बुखार और सांस की तकलीफ जैसे हल्के से लेकर गंभीर श्वसन लक्षण पैदा कर सकते हैं, और वे विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए खतरनाक हैं, जिनमें शिशु, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग शामिल हैं।

ADDRESS:



- **दोनों के मध्य अंतर:**

- COVID-19 में लक्षणों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम है, जिसमें स्वाद और गंध की हानि और रक्त के थक्के और कई अंग विफलता जैसी प्रणालीगत जटिलताओं की अधिक संभावना शामिल है।
- COVID-19 के लिए टीके और एंटीवायरल उपचार उपलब्ध हैं जबकि HMPV प्रबंधन सहायक देखभाल तक सीमित है और वर्तमान में कोई विशिष्ट एंटीवायरल या टीका उपलब्ध नहीं है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



भारत में आय असमानता में कम हुई, लेकिन संपत्ति का अंतर

बरकरार है:

चर्चा में क्यों है?



- 2020-21 में कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में आय असमानता में तीव्र वृद्धि देखने के बाद, 2022-23 में इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ, जो महामारी के बाद सुधार उपायों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।
- पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनॉमी (PRICE) के एक वर्किंग पेपर के अनुसार, ये लाभ अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई पहलों की सफलता की ओर इशारा करते हैं।
- हालांकि, इस रिपोर्ट में शीर्ष आय अर्जित करने वालों के बीच लगातार धन संकेन्द्रण की चेतावनी दी गई है, साथ ही निचले 10 प्रतिशत आय अर्जित करने वालों के संघर्षों के बारे में भी बताया गया है, जो निरंतर, समावेशी आर्थिक रणनीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

ADDRESS:

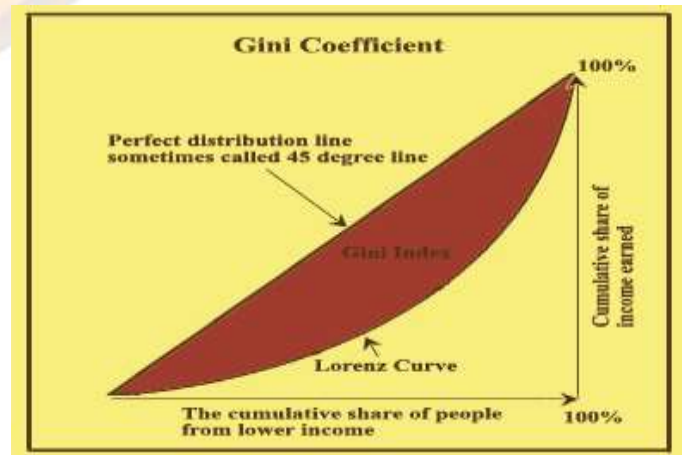


गिनी इंडेक्स: भारत की असमानता पर नज़र

- भारत का गिनी इंडेक्स, जो असमानता का एक माप है, पिछले कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। स्वतंत्रता के बाद 0.463 से शुरू होकर, यह सूचकांक 2015-16 तक सुधरकर 0.367 हो गया। हालांकि, कोविड-19 महामारी ने इस प्रगति को उलट दिया, और 2020-21 में सूचकांक 0.506 पर पहुँच गया, जो व्यापक व्यवधानों के कारण होने वाली आर्थिक कठिनाई को दर्शाता है।
- लेकिन, 2022-23 में सूचकांक पुनः गिरकर 0.410 पर आ गया, जो आय असमानताओं के धीरे-धीरे कम होने का संकेत देता है।

गिनी इंडेक्स:

- उल्लेखनीय है कि गिनी इंडेक्स यह मापता है कि किसी अर्थव्यवस्था में व्यक्तियों या परिवारों के बीच आय या उपभोग का वितरण किस हद तक पूरी



तरह से समान वितरण से विचलित होता है। 0 का गिनी इंडेक्स पूर्ण समानता को दर्शाता है, जबकि 100 का इंडेक्स पूर्ण असमानता को दर्शाता है।

ADDRESS:



- गिनी सूचकांक के मापन में उपयोग किया जाने वाला लॉरेंज वक्र प्राप्तकर्ताओं की संचयी संख्या के विरुद्ध प्राप्त कुल आय का संचयी प्रतिशत दर्शाता है, जिसकी शुरुआत सबसे गरीब व्यक्ति या परिवार से होती है।
- यह लॉरेंज वक्र और पूर्ण समानता की एक काल्पनिक रेखा के बीच के क्षेत्र को मापता है, जिसे रेखा के नीचे अधिकतम क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।

धन संकेन्द्रण से जुड़ी क्या चुनौतियां हैं?

- उल्लेखनीय है कि गिनी गुणांक में सुधार के बावजूद, इस रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि धन अभी भी शीर्ष आय वालों के बीच ही केंद्रित है। आबादी के निचले 10 प्रतिशत लोगों के संघर्ष - जिनमें मजदूर, व्यापारी, छोटे व्यवसाय के मालिक और सीमांत किसान शामिल हैं - एक महत्वपूर्ण चुनौती स्थिति पेश करते हैं।
- हालांकि निचले 50 प्रतिशत लोगों की आय का हिस्सा 2020-21 में 15.84 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 22.82 प्रतिशत हो गया, जो एक सुधार को दर्शाता है, लेकिन अभी भी 2015-16 में दर्ज 24.07 प्रतिशत हिस्सेदारी से कम है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- मध्यम 40 प्रतिशत की आय हिस्सेदारी 2022-23 में 43.9 प्रतिशत से बढ़कर 46.6 प्रतिशत हो गई।
- हालांकि, 2020-21 में कोविड-19 महामारी ने मौजूदा असमानताओं को बढ़ा दिया, जिसमें शीर्ष 10 प्रतिशत की आय हिस्सेदारी 2015-16 में 29.7 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 38.6 प्रतिशत हो गई, जो महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में डिजिटलीकरण और तेजी के कारण हुई, जबकि निचले 50 प्रतिशत लोगों को नौकरी छूटने और आर्थिक अस्थिरता से जूझना पड़ा। उल्लेखनीय है कि 2022-23 में यह कम होकर 30.6 प्रतिशत होने के बावजूद, शीर्ष 10 प्रतिशत के पास अभी भी राष्ट्रीय आय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आय असमानता घटाने में सामाजिक कल्याण योजनाओं की भूमिका:

- इस रिपोर्ट के अनुसार, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) और वित्तीय समावेशन उपायों जैसी सरकारी पहलों ने निम्न आय वर्ग के उत्थान में सकारात्मक भूमिका निभाई है।
- इन योजनाओं ने रोजगार के अवसर पैदा करके और हाशिए पर पड़े समुदायों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करके इस अंतर को पाटने में मदद की है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



सतत प्रगति के लिए नीतिगत सिफारिशें:

- PRICE रिपोर्ट हाल के सुधारों को बनाए रखने के लिए निरंतर सतर्कता और अनुकूली नीति निर्माण की आवश्यकता पर जोर देती है।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे में निवेश, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, सामाजिक सुरक्षा जाल और प्रगतिशील कराधान के साथ, यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि विकास के लाभ समान रूप से वितरित किए जाएं।
- इसके अतिरिक्त, देखभाल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों को औपचारिक बनाना, औद्योगिक समूहों में सरकार द्वारा समर्थित चाइल्डकैअर सुविधाओं का निर्माण करना और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच का विस्तार करना रोजगार परिदृश्य को और मजबूत कर सकता है, खासकर महिलाओं के लिए।

भारत में आय समानता की भविष्य की राह:

- भारत की आर्थिक प्रगति असमानता के "उतार-चढ़ाव" जैसी है, जिसमें प्रगति की अवधि अक्सर बाहरी झटकों या नीतिगत अंतरालों के कारण कमजोर हो जाती है।

ADDRESS:



- महामारी के बाद की रिकवरी एक आशाजनक संकेत है, लेकिन शोध-पत्र सतर्कता, अनुकूली नीति-निर्माण और समान विकास सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासों का आग्रह करता है।
- शोध-पत्र में कहा गया है, "महामारी के बाद के सुधार एक आशाजनक संकेत देते हैं, लेकिन इस प्रगति को बनाए रखने के लिए सतर्कता, अनुकूली नीति-निर्माण और समाज के सभी वर्गों में असमानताओं को कम करने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।"



ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



MCQs

1. चर्चा में रहे 'भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौते' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस समझौते की शुरुआत राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में किये गए 2009 के परमाणु समझौते से हुई थी।

2. यह समझौता पिछले कुछ वर्षों में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)



2. भारत-अमेरिका परमाणु सहयोग समझौते के मार्ग की बाधाओं के संदर्भ में चर्चा में रहे 'अमेरिकी एंटीटी लिस्ट' में से कुछ भारतीय संस्थाओं को बाहर निकलने की बात हो रही है। निम्नलिखित किस/किन भारतीय संस्था या संस्थाओं को इस सूची से बाहर निकाला जा सकता है?

- (a) भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
- (b) इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
- (c) इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (IREL)
- (d) उपर्युक्त सभी संस्थाएं।

Ans:(d)

3. चर्चा में रहे भारत में बढ़ते 'HMPV' वायरस के मामलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह विश्व स्तर पर प्रचलित वायरस है और शीतोष्ण क्षेत्रों में सर्दियों और शुरुआती वसंत के दौरान चरम पर होता है।
2. यह वायरल रोगजनक केवल छोटे आयु वर्ग के बच्चों में श्वसन संक्रमण का कारण बनता है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(a)

4. चर्चा में रहे HMPV और COVID-19 के बीच समानताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) दोनों के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव समान हैं।
- (b) दोनों ही श्वसन संबंधी रोगजनक है।
- (c) दोनों के लिए टीके और एंटीवायरल उपचार उपलब्ध हैं।
- (d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

Ans:(b)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



5. हाल ही में पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनॉमी (PRICE) के एक वर्किंग पेपर के अनुसार भारत में आय असमानता में कम हुई है। इस रिपोर्ट में 'भारत में आय असमानता को घटने वाले कारकों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कोरोना महामारी के उपरांत अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई विभिन्न पहलों की सकारात्मक भूमिका रही है।
2. मनरेगा, और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसी सरकारी पहलों ने निम्न आय वर्ग के उत्थान में सकारात्मक भूमिका निभाई है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)